VICTERS CLASS - 17/09/21
Xth Hindi, notes
अकाल और उसके बाद

ഇന്നത്തെ ക്ലാസ് കേൾക്കുന്നതിന് ഇവിടെ ക്ലിക്ക് ചെയ്യൂ.....

“ अकाल और उसके बाद ” कविता का यह अंश पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद ।
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद ।
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद ।
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

1, पंक्तियों में किसका वर्णन है ?
(अकाल की स्थिति का, अकाल के पूर्व की स्थिति का, अकाल के बाद की स्थिति का)

उत्तर: अकाल के बाद की स्थिति का

2, 'चमक उठीं घर भर की आँखें' का मतलब क्या है ?
उउत्तर: अकाल की स्थिति बदलने के कारण सब खुश हुए।

3, कवि ने अकाल के बाद का चित्रण कैसे किया है ? टिप्पणी लिखें।

उत्तर:
नागार्जुन हिंदी के प्रगतिशील कवि हैं। प्रकृति और समकालीन राजनीति आप की कविताओं का मुख्य विषय है । प्रस्तुत अंश 'अकाल और उसके बाद' कविता का है। इसमें कवि ने अकाल के बाद की स्थिति का वर्णन किया है।

कई दिनों के बाद घर के अंदर दाने आए। कई दिनों के बाद आँगन से ऊपर धुआँ उठा। कई दिनों के बाद घर भर की आँखें चमक उठीं। अर्थात् सब संतुष्ट हुईं। कई दिनों के बाद कौए ने पाँखें खुजलाई ।

परिवार की सुखद अवस्था के वर्णन केलिए कवि ने अनेक बिंबों का प्रयोग किया है। मानव की खुशी की स्थिति में प्रकृति भी उसके साथ तादात्म्य स्थापित करती है। यही कवि का मतलब है।

4, दाने आए घर के अन्दर कई दिनों के बाद धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद इन पंक्तियों से कवि क्या कहना चाहता है ?

उत्तर:कई दिनों के अकाल के बाद घर के भीतर दाने आए। तब चूल्हा जलाया गया और चिमनी से धुआँ उठने लगा। कई दिनों के बाद छप्पर के ऊपर धुआँ उठा। इसी प्रकार चूल्हा जलाना और धुआँ ऊपर उठना ख़ुशी का संकेत है।

Brought to you by www.shenischool.in To Join our whatsapp group 7012498606
To Join our Telegram group https://t.me/joinchat/VggdwFAM7WwuQOCi

5, कवि ने अकाल का चित्रण किस प्रकार किया है ? चर्चा करें।

अकाल

चूल्हे का रोना
चक्की का उदास रहना
भीत पर छिपकलियों की गश्त
शिकस्त हालत वाले चूहे

कवि ने अकाल का चित्रण चार बिंबों से किया है। अकाल के कारण चूल्हा रोया था अर्थात् कई दिनों तक चूल्हा जलाया नहीं गया। बुझा पड़ा रहा चक्की उदास हो गयी, क्योंकि घर में पीसने के लिए अनाज नहीं रहा। दाना पीसते वक्त चक्की ख़ुश होती है।

भूख से तड़पती छिपकलियाँ दीवार पर इधर उधर टहलती रहीं। छिपकलियाँ कीड़े खाती हैं। कीड़े घर के दीये की रोशनी के पास आते हैं। लेकिन जिस घर में दाने नहीं हैं, वहाँ दीया कैसे जलेगा? अकाल में में भूख के कारण छिपकलियाँ भी परेशान थीं। चूहे भी बुरी हालत में थे। गाँव के किसी घर में दाने होते तो चूहे वहाँ चले जाते। लेकिन अकाल के कारण कहीं भी दाना नहीं था। अकाल के दिन दुख और निराशा के दिन थे।

6, कवि ने अकाल के बाद की हालत का चित्रण किस प्रकार किया है ? चर्चा करें।

अकाल के बाद

घर के अन्दर दाने का आना
आँगन के ऊपर धुएँ का उठना
घर भर की आँखों का चमक उठना
कौए के पंखों का खुजलाना

अकाल के बाद का चित्रण कवि ने कई बिबों से किया है। कई दिनों के अकाल के बाद घर के अंदर दाने आए। चूल्हा जलने लगा और घर के ऊपर धुआँ उठने लगा। खाना बनाने की ख़ुशी में सबकी आँखें चमक उठीं। बाकी भोजन और दाने लोग बाहर फेंकते वक्त कौए आकर खा लेते हैं। खाना बनाते वक्त कौए भी पंख खुजलाते नज़र आने लगे। अकाल के बाद सब के चेहरे पर ख़ुशी थी।

Brought to you by www.shenischool.in To Join our whatsapp group 7012498606
To Join our Telegram group https://t.me/joinchat/VggdwFAM7WwuQOCi